महत्वपूर्ण एवं खास

सड़क हादसे में 2 की मौत, अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ अपराध दर्ज

रायपुर (आरएनएस)। सड़क हादसे में अलग-अलग इलाके में दो लोगों की मौत हो जाने की रिपोर्ट उरला थाने में दर्ज करायी गई है। मिली जानकारी के अनुसार 24 जून को 6 लाईन रोड बेंद्री ओव्हरब्रिज के ऊपर रोड एक्सीडेन्ट में एक हीरो होण्डा सीजी 10 केबी 2643 से जा रहे व्यक्ति आयु करीब 25 वर्ष को किसी अज्ञात वाहन ने ठोकर मारकर एक्सीडेन्ट कर देने से उसकी मौत हो गई। घटना की सुचना पर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ धारा 304 ए के तहत अपराध कायम कर मामला दर्ज कर लिया है। इसी तरह ग्राम परसतराई धरसींवा निवासी खुबीराम निषाद 25 वर्ष ने धरसींवा थाने में शिकायत दर्ज करायी है कि 26 जून को 4.30 बजे तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक के चालक ने बजाज स्टील के पास बाईपास रोड पर मोटरसाइकिल सवार शुभम पाल 25 वर्ष पिता अशोक पाल निवासी कुम्हारी जिला दुर्ग को ठोकर मारकर एक्सीडेन्ट कर दिया। जिसके चलते उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ धारा 304 ए के तहत अपराध दर्ज कर मर्ग कायम कर लिया है।

खाना समय पर नही बना कहकर मां को हसिया से मारकर चोट पहुंचाा, मामला दर्ज

रायपुर (आरएनएस)। खाना समय पर नही बनने पर बेटे ने मां को जान से मारने की धमकी देकर सब्जी काटने की हसिया से मारकर चोट पहुंचाया। मामले की रिपोर्ट मानाकैम्प थाने में दर्ज करायी गई है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम बनरसी निवासी श्रीमती मालती यादव 40 वर्ष पति स्व.उदय यादव ने थाने में शिकायत दर्ज करायी है कि 26 जून को प्रातः खाने समय पर नही बना कहकर पीड़िता का बेटा कोमल यादव 19 वर्ष ने गाली-गलौच कर जान से मारने की धमकी देकर सब्जी काटने वाला हसिया से मारकर चोट पहुंचाया। मामले की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध कायम कर मामला दर्ज कर लिया है।

महिला खिलाड़ी व कोच से छेड़खानी कर फरार होने वाला ट्रेनर गिरफ्तार

बिलासपुर (आरएनएस)। महिला कराटे खिलाड़ी व कोच के साथ छेड़खानी करने वाले ट्रेनर अशोक वर्मा को कोटा स्थित घर से पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामला रतनपुर क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार 7 जून को रतनपुर थाना क्षेत्र के सीस में रहने वाली 21 वर्षीय महिला कराटे खिलाड़ी व कोच से मुख्य प्रशिक्षक ने छेड़छाड़ की थी। इस मामले में महिला खिलाड़ी और कोच ने रतनपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। रिपोर्ट पर थाना रतनपुर में धारा 354, 294, 506 भादवि का मामला दर्ज किया गया था। किंतु मामला दर्ज होने के बाद से आरोपी अशोक वर्मा फरार हो गया था। आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस को 26 जून की रात सूचना मिली की वह कोटा स्थित अपने घर में है, पुलिस ने घेराबन्दी कर आरोपी को कोटा के पास से गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू 30 को महासमुंद जिले की समीक्षा करेंगे

रायपुर (आरएनएस)। गृह और लोक निर्माण मंत्री तथा महासमुंद जिले के प्रभारी मंत्री ताम्रध्वज साहू 30 जून बुधवार को महासमुंद जिले की समीक्षा करेंगे। वे सवेरे 10 बजे रायपुर से कार से रवाना होंगे और 11 बजे सर्किट हाउस पहुचेंगे तथा आम जनता से भेंट करेंगे। मंत्री श्री साहू दोपहर 12.30 बजे कलेक्ट्रेट सभा गृह में पहले लोक निर्माण विभाग और गृह विभाग की समीक्षा बैठक लेंगे। इसके बाद अपरान्ह 3 बजे सभी विभागों के जिला अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में चल रहे विकास कार्यों और योजनाओं की समीक्षा करेंगे। वे शाम 6 बजे महासमुंद से प्रस्थान कर राजधानी रायपुर लौटेंगे।

मधुमक्खियों ने आदिवासी किसानों के जीवन में घोली शहद की मिठास

» ट्रायफेड, खादी इंडिया और फ्लिपकार्ट पर बिक रहा है कोरिया के आदिवासी किसानों द्वारा उत्पादित शहद

» कृषक उत्पादक संगठन को मधुमक्खी पालन से होगा आठ लाख रूपये का मुनाफा

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के आदिवासी बहुल जिले कोरिया में कृषि विज्ञान केन्द्र के मार्गदर्शन में गठित किसान उत्पादक संगठन द्वारा किये जा रहे मधुमक्खी पालन तथा शहद उत्पादन व्यवसाय ने इन आदिवासी किसानों के जीवन में शहद की मिठास घोल दी है। किसान उत्पादक संगठन के 17 सदस्यों द्वारा संचालित मधुमक्खी पालन कृषि कुटीर उद्योग के अंतर्गत मधुमक्खी पेटी तथा मधुमक्खी कॉलोनी के निर्माण के साथ ही करंज, वन तुलसी, सरसों, सौंफ आदि फसलों एवं जंगली वृक्षों के फूलों तथा परागकणों से शुद्ध एवं गुणवत्तायुक्त शहद तैयार किया जा रहा है। उनके द्वारा ट्रायफेड, खादी इंडिया, छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प बोर्ड के विक्रय केन्द्रों और ई-कॉमर्स साईट फ्लिपकार्ट के माध्यम से लगभग चार लाख रूपये मूल्य का शहद विक्रय किया जा चुका है तथा लगभग तीन लाख रूपये मूल्य का शहद विक्रय हेतु उपलब्ध है। इसके साथ ही समूह द्वारा विभिन्न संस्थाओं एवं संगठनों को मधुमक्खी पेटी एवं मधुमक्खी कॉलोनी की भी भी आपूर्ति की जा रही है। मधुमक्खी पेटी निर्माण, शहद उत्पादन एवं मधुमक्खी कॉलोनी तैयार करने से इस कृषक उत्पादक संगठन को वित्तीय वर्ष 2021-22 में सात से आठ लाख रूपये का शुद्ध लाभ प्राप्त होने की उम्मीद है, जिससे प्रत्येक किसान को 45 से 50 हजार रूपये की आमदनी होगी।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केन्द्र कोरिया द्वारा कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण व्यवसाय को बढ़ावा देने तथा किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से एक कृषक उत्पादक संगठन गठित किया गया है। इस संगठन में कुल 17 कृषक सदस्य हैं जिनमें से अधिकांश आदिवासी हैं। इस कृषक संगठन ने कृषि विज्ञान कोरिया के मार्गदर्शन में पिछले वर्ष मधुमक्खी पालन एवं शहद उत्पादन का कार्य प्रारंभ किया। कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा संगठन के सदस्यों को बिहार एवं झारखण्ड के प्रशिक्षकों से मधुमक्खी पालन तथा शहद उत्पादन का प्रशिक्षण दिलाया गया। इस संगठन द्वारा 10 फ्रेम वाली यूरोपीयन मधुमक्खी पेटी एवं सेलोव सुपर पेटी का निर्माण किया जा रहा है। यहां प्रतिदिन 10 से 15 मधुमक्खी पेटियों का निर्माण होता है। मधुमक्खी पेटी के विक्रय पर प्रति पेटी 400 रूपये का मुनाफा प्राप्त होता है। कृषक संगठन द्वारा मधुमक्खी पेटी के निर्माण के साथ ही मधुमक्खी कॉलोनी भी तैयार की जा रही हैं इस समूह द्वारा वित्तीय वर्ष 2020-21 में 70 मधुमक्खी कॉलोनी तैयार की गई जिससे उन्हें डेढ़ लाख रूपये की आमदनी प्राप्त हुई। कृषक उत्पादक संगठन को वित्तीय वर्ष 2020-21 में विभिन्न संस्थानों से 75 मधुमक्खी पेटी की आपूर्ति का आदेश प्राप्त हुआ जिससे उन्हें डेढ़ लाख रूपये की आय प्राप्त हुई। वित्तीय वर्ष 2021-22 में अब तक समूह को 2 लाख 30 हजार मूल्य के मधुमक्खी पेटी आपूर्ति के आदेश प्राप्त हो चुके हैं। कृषक उत्पादन संगठन द्वारा क्षेत्र के 150 से अधिक किसानों को मधुमक्खी बॉक्स प्रदान किये गये हैं जिससे प्राप्त शहद का विक्रय इस संगठन द्वारा किया जाता है। इसके अलावा यह वनवासियों द्वारा एकत्रित जंगली शहद को भी क्रय करता है जिससे आदिवासी किसानों एवं वनवासियों को रोजगार भी मिल रहा है। इस तरह मधुमक्खी पालन एवं शहद उत्पादन व्यवसाय से कोरिया जिले के आदिवासी किसानों का जीवन संवर रहा है।

नोटों से भरी कार पकड़ायी, 2 आरोपी गिरफ्तार

» 37 लाख 28 हजार जब्त

महासमुंद (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान नोटों से भरी एक कार जब्त कर मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों महाराष्ट्र के कोल्हापुर के रहने वाले बताए जा रहे हैं। फिलहाल महासमुंद पुलिस दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई कर रही है। जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि एक वाहन में भारी मात्रा में नगदी लेकर महासमुंद की ओर जा रही है। इसके बाद अलर्ट हुई पुलिस ने ओडिशा से आने वाली वाहनों की जांच की। अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट रेहटीखोल में चेकिंग के दौरान एक सफेद रंग की मारुति सुजुकी सियाज कार क्रमांक एमएच 09 ईटी 8986 को रोककर पूछताछ की। वाहन चालक के गोलमोल जवाब से पुलिस ने दस्तावेज की जांच की। इसके बाद कार की तलाशी के दौरान पुलिस को सीट के पीछे बने चेंबर में रखे हुए रुपए का बंडल मिला। पुलिस ने बताया कि कार से कुल 37 लाख 28 हजार 900 रुपए नगद बरामद हुआ। सिंघोड़ा पुलिस ने कार में सवार पीताम्बर शिवाजी माने और अविनाश सिंगारे को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी ओड़िसा से आ रहे थे फिलहाल पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। इस मामले में कई बड़े खुलासे हो सकते हैं।

मानसून सत्र के लिए विधायकों ने शुरू किया प्रश्न लगाना

» अधिसूचना जारी होने के दूसरे दिन लगे कुल 11 प्रश्न

» सत्र हंगामेदार होने की संभावना

» विपक्ष कई मुद्दों पर सरकार को घेरने का करेगी प्रयास

रायपुर, 27 जून (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ विधानसभा का पांच दिवसीय मानसून सत्र 26 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। मानसून सत्र को लेकर विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी की गई अधिसूचना दूसरे दिन से विधायकों ने सत्र के लिए प्रश्न लगाना भी शुरू कर दिया है।

मानसून सत्र को लेकर अधिसूचना 25 जून को जारी की गयी। सत्र की अधिसूचना जारी होने के दूसरे दिन 26 जून से ही विधायकों ने सत्र के लिए प्रश्न लगाना शुरू कर दिए है। पहले दिन कुल 11 प्रश्न लगाये गये है जिनमें 06 तारांकित एवं 05 अतारांकित प्रश्न है। प्रश्न लगाने का सिलसिला सत्र शुरू होने तक जारी रहेगा। इस दौरान विपक्षी विधायकों के साथ सत्ता पक्ष के विधायकगण भी अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र की जनता के हितों से जुड़े मुद्दों व बिन्दुओं को लेकर प्रश्न लगाएंगे।

मानसून सत्र जरूर पांच दिनों का है लेकिन कम दिनों का होने के बावजूद सत्र काफी हंगामेदार होने की पूरी संभावना है। क्योंकि विपक्ष दल इस सत्र के दौरान कोरोना की दूसरी लहर से प्रदेश में हुई मौतों, वैक्सीनेशन, किसानों के मुद्दों, शराबबंदी, बारिश से धान की बर्बादी, प्रदेश में बढ़ते अपराध व कानून व्यवस्था समेत कई मुद्दों पर सरकार को घेरने का प्रयास कर सकती है। हालांकि सत्ता पक्ष के मंत्रीगण व संसदीय सचिव भी विपक्षी दल को उनके सवालों का जवाब देने के लिए तैयारियां शुरू कर दी है।

दंतैल हाथी ने बरपाली जिलगा पहुंचकर फसलों को पहुंचाया नुकसान

कोरबा (आरएनएस)। वन मंडल कोरबा के कुदमुरा रेंज में दंतैल हाथी की उपस्थिति एक बार फिर से हो गई है। जिलगा और बरपाली के बीच जंगल में इसे लोगों ने देखा। कुछ लोगों के द्वारा मौसम की फसल लगाई गई है जिसे इस हाथी ने नुकसान पहुंचाया। सूचना दिए जाने पर जरूरी कोशिश की जा रही है ताकि नुकसान को और ज्यादा बढ़ने से रोका जा सके।

जानकारी के अनुसार इस बार एक ही हाथी यहां पर पहुंचा है। स्वभाव से हिंसक समझे जाने वाले इस श्रेणी के हाथी को लेकर लोगों के अनुभव काफी अच्छे नहीं रहे हैं। पिछले समय में अनेक स्थान पर जानमाल के नुकसान की घटनाएं इसके कारण हो चुकी है। इसलिए लोगों का भयभीत होना स्वाभविक है। बताया गया कि पिछली रात को हाथी की चिंघाड़ इलाके में सुनी गई। इसे काफी दूर तक सुना गया। वन सुरक्षा समिति और स्थानीय लोगों ने सुरक्षा साधनों के साथ उस स्थान का जायजा लिया। मालूम चला कि एक हाथी जंगल के रास्ते पर मौजूद है। जानकारी होने के साथ आसपास के इलाके में अलग.अलग माध्यम से लोगों को सूचना दी गई और सचेत किया गया। सूत्रों ने बताया कि अधिकतम 250 प्रति किलो की दर से बिकने वाला पुटू यहां पर उत्पन्न हुआ है। इसकी काफी मात्रा को हाथी के द्वारा चट कर लिया गया है। कुछ और लोगों की फसल को भी नुकसान पहुंचाए जाने की खबरें प्राप्त हुई हैं। लोगों ने इस मामले में अपने आप को सुरक्षित करने पर ध्यान दिया है। विशेष तौर पर उस इलाके में जाने से बचा जा रहा है जहां खतरे कुछ ज्यादा है।

वन मंडल कोरबा के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्र में प्रवासी हाथियों की उपस्थिति दर्ज कराने के साथ उनके द्वारा उत्पात पहुंचाने की घटनाएं पिछले एक दशक से हो रही हैं। अब तक की स्थिति में 50 से अधिक लोगों की मौत से हाथियों के हमले में हो चुकी हैं जबकि सैकड़ों लोगों की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जा चुका है। पिछले वर्ष वन विभाग के द्वारा जो आंकड़े जारी किए गए थे उसमें प्रभावित लोगों को 18 करोड़ का मुआवजा बांटने की जानकारी दी गई थी। जिस तरह से यह मसला बना हुआ है उससे लगता है कि प्रभावी कोशिश करने की जरूरत है। वन विभाग ने तय किया है कि वह हाथियों की उन्मूलन के लिए कुछ काम नए सिरे से करेगा। इसके लिए खासतर पर वन मंडल कोरबा के अंतर्गत सीमावर्ती क्षेत्र में बीहाइव फेंसिंग के पायलट प्रोजेक्ट पर काम किया जाना है। बताया गया कि हाथियों का प्रवेश जिस रास्ते से होता हैए वहां पर इस फेंसिंग को किया जाएगा। इसके जरिए कोशिश की जाएगी हाथियों को सही रास्ते की दिशा में ही मूव किया जाए।

आपसी विवाद में भतीजे ने चाचा का कान काटकर अलग कर दिया

कांकेर (आरएनएस)। जिले के भानुप्रतापपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम धनगुडरा में हो रहे विवाह समारोह में गाना बजाने को लेकर हुए विवाद में आक्रोशित भतीजे अजय ने चाचा अशोक पुरबिया का कान काटकर अलग कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार की रात्रि में ग्राम धनगुडरा में का विवाह समारोह चल रहा था, इसी दौरान गाना बजाने को लेकर अजय और ललित नाम के युवक के बीच कहासुनी हो गई, विवाद बढ़ता देखकर चाचा अशोक पुरबिया शांत कराने पहुंच गए। विवाद को शांत कराते समय आक्रोशित भतीजे अजय ने चाचा अशोक को अपने बाहों में जकड़ लिया और उसके कान को दांतों से काटकर अलग कर दिया। घायल अशोक को तत्काल संजीवनी एक्सप्रेस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भानुप्रतापपुर में भर्ती कराया गया है, जहां इलाज चल रहा है। घायल अशोक पुरबिया ने बताया कि अब मुझे मास्क लगाने में परेशानी होगी, मेरा कान अलग हो गया है। इस पूरे मामले की शिकायत भानुप्रतापपुर थाने में दर्ज कराई गई है। विवेचना अधिकारी तेज वर्मा ने बताया कि शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है, आगे की जांच की जा रही है।

प्रदेश में एक दिन में अब तक का सर्वाधिक टीकाकरण, 26 जून को 3.50 लाख से अधिक टीके लगाए गए

» स्वास्थ्य अमला युद्ध स्तर पर कर रहा टीकाकरण, 4592 साइट्स पर लगाए गए टीके

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में कोरोना से बचाव का टीका लगवाने वालों की संख्या में रोज बढ़ोतरी हो रही है। स्वास्थ्य अमला युद्ध स्तर पर वैक्सीनेशन में लगा हुआ है। वैक्सीनेशन साइट्स की संख्या लगातार बढ़ाई जा रही है, ताकि एक केन्द्र में अधिक भीड़ न हो। संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं कोरोना टीकाकरण की राज्य नोडल अधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला ने बताया कि 26 जून को प्रदेश में 4592 सेशन साइट्स पर तीन लाख 50 हजार 492 लोगों को टीका लगाया गया। राज्य में अब तक 18 से 44 वर्ष आयु समूह के 21 लाख नौ हजार 728 लोगों को पहला टीका लगाया जा चुका है।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 26 जून को रायपुर जिले में 38545, दुर्ग में 11683, राजनांदगांव में 24592, बिलासपुर में 17369, सुकमा में 1405, रायगढ़ में 122587, बालोद में 13127, सरगुजा में 6823, जांजगीर-चांपा में 10272, बलौदाबाजार-भाटापारा में 9143, जशपुर में 5751, कोरबा में 10991, बेमेतरा में 7145, धमतरी में 6056 कोरिया में 4628, कोंडागांव में 2489, कांकेर में 8631, गोरेला-पेंड्रा-मरवाही में 1778, मुंगेली में 4230, नारायणपुर में 203, गरियाबंद में 3159, बस्तर में 2246, दन्तेवाड़ा में 3143 , सूरजपुर में 6531, बलरामपुर-रामानुजगंज में 4126, महासमुंद में 14995, बीजापुर में 791 और कबीरधाम में 8053 लोगों को कोरोना से बचाव का टीका लगाया गया है।

रायगढ़ जिले में 26 जून को सबसे अधिक एक लाख 22 हजार 587 लोगों का टीकाकरण किया गया। वैक्सीन लगाने के बाद भी कोविड अनुरूप व्यवहार करना, मास्क लगाना, शारीरिक दूरी रखना एवं हाथों की सफाई आवश्यक है जिससे कोरोना के खतरे को कम किया जा सके।

SJU - Contact No. +91 9301915303
E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कुछ सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुर्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य शाख में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जायेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द की स्थापना की जायेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जायेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जायेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जायेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जायेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जायेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जायेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जायेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के मूर्धन्य विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायगा।

पढ़िए ....
न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

मुख्यमंत्री ने किसानों से की अपील : कहा एक जुलाई से अपने गांव में शुरू करें रोका-छेका

» पशुपालक अपने पशुओं को खुले में न छोड़े, गौठानों में भेजें

» गौठानों में चारा-पानी का पूरा प्रबंध

» बीमारियों से बचाव के लिए पशुओं को टीका जरूर लगवाएं

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश के किसानों से अपील की है कि वे छत्तीसगढ़ की परंपरा के अनुरूप एक जुलाई से अपने-अपने गांवों में रोका-छेका अभियान शुरू करें। साथ ही उन्होंने कहा कि पशुपालक अपने पशुओं को खुले में चराई के लिए छोड़ने के बजाय उन्हें गोठानों में भेजें, जहां चारे-पानी का प्रबंध किया गया है। मुख्यमंत्री बघेल ने किसानों तथा पशुपालकों के नाम अपने संदेश में कहा है कि बरसात के दिनों में पशुओं में गलघोटू और एकटंगिया की बीमारी होती है। इससे बचाव के लिए अपने पशुओं को टीका जरूर लगवाएं।

बघेल ने कहा है कि ईश्वर की कृपा से इस बार हमारे राज्य में मानसून सही समय पर आ गया हैं। राज्य में अब तक पर्याप्त बारिश हो चुकी है। किसान भाई अपने खेतों में फसल की तैयारी में लग गए हैं। राज्य के जलाशयों एवं तालाबों में भी भरपूर पानी उपलब्ध है। किसान भाईयों को खाद-बीज उनकी आवश्यकता के अनुरूप सहकारी समितियों से मिल सके इस पर हम विशेष ध्यान दे रहे हैं। सभी सोसायटियों में रासायनिक उर्वरकों एवं प्रमाणित बीजों का भण्डारण लगातार किया जा रहा है। हम राज्य में इस बार दलहनी और तिलहनी फसलों पर अधिक जोर दे रहे हैं। इन फसलों का उत्पादन बढ़ने से किसान भाईयों को ज्यादा लाभ मिलेगा। हमने दलहन-तिलहन, अरहर, सोयाबीन, मक्का, गन्ना, कोदा-कुटकी, सुगंधित धान की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए इसे राजीव गांधी किसान न्याय योजना में शामिल कर लिया है। धान के साथ-साथ अन्य प्रमुख खरीफ फसलों की खेती करने वाले किसान भाईयों को भी प्रति एकड़ के मान से 9 हजार रूपए की आदान सहायता देंगे। बीते खरीफ सीजन में जिन किसान भाईयों ने धान की खेती की थी, वह यदि इस साल उसी रकबे में धान के बदले अन्य फसलों का उत्पादन अथवा वृक्षारोपण करेंगे, तो उन्हें प्रति एकड़ के मान से 10 हजार रूपए की आदान सहायता देने का प्रावधान किया है।वृक्षारोपण करने वाले किसान भाईयों को यह आदान सहायता आगामी तीन वर्षों तक मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की सरकार किसानों की अपनी सरकार है।